प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पहली बार एक किसान होंगे दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि

कुलपति डा. तेज प्रताप ने की दीक्षान्त समारोह के बारे में प्रेस वार्ता

पंतनगर। 27 अप्रैल 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप ने आज अपने प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में पंतनगर विश्वविद्यालय के 29 अप्रैल 2019 को होने वाले 32वें दीक्षान्त समारोह के संबंध में प्रेस वार्ता आयोजित की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. ए.पी. शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

डा. तेज प्रताप ने विश्वविद्यालय के पूर्व के दीक्षान्त समारोहों के बारे में बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का सबसे पहला दीक्षान्त समारोह वर्ष 1963 में आयोजित किया गया था, जिसमें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उसके बाद के दीक्षान्त समारोहों में भी देश के उच्च स्थानों पर बैठे अतिविशिष्ट एवं विशिष्ट व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डा. तेज प्रताप ने कहा कि यह पहली बार है कि एक प्रगतिशील किसान, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, को दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, साथ ही उन्हें विज्ञान वारिधी की मानद उपाधि से भी सुशोभित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि श्री त्यागी को किसान-प्राध्यापक (फार्मर-प्रोफेसर) की पदवी से भी नवाजा जायेगा तथा वे विद्यार्थियों को जैविक खेती के बारे में प्रशिक्षित करेंगे। डा. तेज प्रताप ने श्री त्यागी के बारे में बताते हुए कहा कि वे नये युग के किसान हैं तथा देश के प्रथम 10 जैविक खेती करने वाले किसानों में उनका सर्वोच्य स्थान है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की आधारशिला रखते समय तत्कालीन प्रधानमंत्री, पं. जवाहरलाल नेहरू, ने इस विश्वविद्यालय को किसानों का विश्वविद्यालय बनाने की बात कही थी, जिसे ध्यान में रखकर ही एक किसान को दीक्षान्त समारोह का मुख्य अतिथि बनाया गया है।

कुलसचिव, डा. शर्मा, ने दीक्षान्त समारोह में दी जाने वाली उपाधियों के बारे में बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक 38 हजार से अधिक विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जा चुकी हैं। इस 32वें दीक्षान्त समारोह में 1417 उपाधियां प्रदान की जायेंगी, जिनमें 835 स्नातक, 417 स्नातकोत्तर तथा 165 पीएच.डी. की उपाधियां सम्मिलित हैं। डा. शर्मा ने यह भी बताया कि दीक्षान्त समारोह में सर्वोत्तम स्नातक को कुलाधिपति का स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा, इसके अतिरिक्त कुलपति के 14 स्वर्ण 11, रजत एवं 11 कांस्य पदक भी विभिन्न पाठ्यक्रमों के उत्तम विद्यार्थियों को प्रदान किये जायेंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, श्री कर्मेन्द्र सिंह, तथा अपर निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, डा. ए.के. कर्नाटक, निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल, के साथ-साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मीडिया प्रतिनिधियों से दीक्षान्त समारोह के बारे में बात करते कुलपति डा. तेज प्रताप।